**अध्याय 14: शिरीष के फूल (हजारी प्रसाद द्विवेदी) - महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर**

**1. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)**

1. **'शिरीष के फूल' निबंध के लेखक कौन हैं?**
    - (क) जैनेंद्र कुमार
    - (ख) हजारी प्रसाद द्विवेदी
    - (ग) धर्मवीर भारती
    - (घ) फणीश्वर नाथ रेणु
    - **उत्तर: (ख) हजारी प्रसाद द्विवेदी**
2. **शिरीष का फूल लेखक के किस संग्रह से लिया गया है?**
    - (क) अशोक के फूल
    - (ख) कुटज
    - (ग) कल्पलता
    - (घ) विचार और वितर्क
    - **उत्तर: (ग) कल्पलता**
3. **लेखक ने शिरीष को किसकी संज्ञा दी है?**
    - (क) कोमल बालक
    - (ख) कालजयी अवधूत
    - (ग) स्वार्थी नेता
    - (घ) आलसी वृक्ष
    - **उत्तर: (ख) कालजयी अवधूत**
4. **अमलतास (आरग्वध) कितने दिनों के लिए फूलता है?**
    - (क) पूरे साल
    - (ख) 15-20 दिन

- (ग) दो महीने
- (घ) केवल एक हफ्ता
- **उत्तर: (ख) 15-20 दिन**

5. **कालिदास के अनुसार शिरीष का फूल किसका दबाव सहन कर सकता है?**
   - (क) पक्षियों के पैरों का
   - (ख) भँवरों के पदों का
   - (ग) ओलों का
   - (घ) बंदरों का
   - **उत्तर: (ख) भँवरों के पदों का**
6. **शिरीष के पुराने फल किसकी याद दिलाते हैं?**
   - (क) पुरानी यादों की
   - (ख) उन नेताओं की जो पद नहीं छोड़ते
   - (ग) सूखे पत्तों की
   - (घ) बचपन के खिलौनों की
   - **उत्तर: (ख) उन नेताओं की जो पद नहीं छोड़ते**
7. **शिरीष अपना रस कहाँ से खींचता है?**
   - (क) जमीन के अंदर से
   - (ख) वायुमंडल से
   - (ग) अन्य पेड़ों से
   - (घ) वर्षा के जल से
   - **उत्तर: (ख) वायुमंडल से**
8. **लेखक ने 'अद्भुत अवधूत' किसे कहा है?**
   - (क) कबीर को

- (ख) शिरीष को
- (ग) कालिदास को
- (घ) खुद को
- **उत्तर: (ख) शिरीष को**

9. **'जो फरा सो झरा, जो बरा सो बुताना' किसकी पंक्ति है?**
   - (क) कबीर
   - (ख) तुलसीदास
   - (ग) जायसी
   - (घ) रहीम
   - **उत्तर: (ख) तुलसीदास**
10. **निबंध के अंत में लेखक को किसकी याद आती है?**
   - (क) अपनी माता की
   - (ख) महात्मा गांधी की
   - (ग) रविंद्रनाथ टैगोर की
   - (घ) सुमित्रानंदन पंत की
   - **उत्तर: (ख) महात्मा गांधी की**

## 2. एक पंक्ति वाले प्रश्न (Very Short Answer)

1. **लेखक जहाँ बैठकर लेख लिख रहा है, वहाँ कौन से पेड़ हैं?**
   - उत्तर: लेखक के चारों ओर शिरीष के अनेक पेड़ हैं।
2. **शिरीष कब से कब तक फूला रहता है?**
   - उत्तर: शिरीष वसंत के आगमन से लेकर आषाढ़ और कभी-कभी भादों तक फूला रहता है।
3. **पुराने भारत का रईस शिरीष को कहाँ लगाना पसंद करता था?**
   - उत्तर: पुराने रईस अपनी वाटिका की चहारदीवारी के पास शिरीष लगाते थे।

4. **शिरीष के फूल की बनावट कैसी होती है?**
    - उत्तर: इसके फूलों में पंखुड़ियों के बजाय रेशे-रेशे होते हैं जो अत्यंत कोमल दिखते हैं।
5. **कालिदास ने शिरीष के बारे में क्या पक्षपात किया था?**
    - उत्तर: उन्होंने कहा था कि यह फूल इतना कोमल है कि पक्षियों का भार सहन नहीं कर सकता।
6. **शिरीष के फल कब तक पेड़ पर डटे रहते हैं?**
    - उत्तर: जब तक नए फल-पत्ते उन्हें धकियाकर (धक्का देकर) बाहर नहीं निकाल देते।
7. **'अवधूत' का क्या अर्थ है?**
    - उत्तर: अवधूत का अर्थ है ऐसा संन्यासी जो सुख-दुख और मोह-माया से ऊपर उठ चुका हो।
8. **लेखक ने कालिदास को 'अनासक्त योगी' क्यों कहा है?**
    - उत्तर: क्योंकि वे बाहरी सुंदरता के भीतर छिपे गहरे सत्य को देखने की क्षमता रखते थे।
9. **कर्णाट-राज की प्रिया विज्जिका देवी ने किन तीन को ही कवि माना है?**
    - उत्तर: ब्रह्मा, वाल्मीकि और व्यास को।
10. **लेखक के अनुसार 'सत्कवि' (सच्चा कवि) होने की क्या शर्त है?**
    - उत्तर: योगी की अनासक्त शून्यता और प्रेमी की सरस पूर्णता का एक साथ होना।

**3. तीन पंक्ति वाले प्रश्न (Short Answer)**

1. **शिरीष और अमलतास में मुख्य अंतर क्या है?**
    - उत्तर: अमलतास केवल 15-20 दिनों के लिए फूलता है और फिर ठूँठ हो जाता है, जबकि शिरीष जेठ की जलती धूप और भयंकर लू में भी महीनों तक मस्त होकर फूला रहता है। शिरीष धैर्य का प्रतीक है।

2. **लेखक ने शिरीष को 'कालजयी अवधूत' क्यों माना है?**
    - उत्तर: शिरीष विपरीत परिस्थितियों (धूप, गर्मी, लू) में भी हार नहीं मानता। वह एक संन्यासी की तरह विचलित हुए बिना अपना सौंदर्य बिखेरता रहता है और जीवन की अजेयता का संदेश देता है।
3. **पुराने फलों और आधुनिक राजनीति के बीच लेखक ने क्या संबंध जोड़ा है?**
    - उत्तर: जैसे शिरीष के पुराने सूखे फल नई पीढ़ी के आने पर भी जगह नहीं छोड़ते, वैसे ही पुराने नेता भी सत्ता के मोह में चिपके रहते हैं जब तक कि उन्हें जबरदस्ती हटाया न जाए।
4. **'जो फरा सो झरा' पंक्ति के माध्यम से लेखक क्या समझाना चाहते हैं?**
    - उत्तर: लेखक संसार के शाश्वत सत्य 'मृत्यु' की ओर संकेत करते हैं। वे कहते हैं कि जिसका जन्म हुआ है उसका अंत निश्चित है, इसलिए मनुष्य को अधिकार-लिप्सा (मोह) छोड़ देनी चाहिए।
5. **महाकाल के 'कोड़े' का क्या अर्थ है और उससे कौन बच सकता है?**
    - उत्तर: महाकाल का कोड़ा 'समय' है। इस कोड़े की मार से वही बच सकता है जो निरंतर गतिशील रहता है और जड़ता को त्याग देता है। जो एक जगह थम गया, उसका अंत निश्चित है।
6. **कालिदास की 'अनासक्ति' (Detachment) पर लेखक के क्या विचार हैं?**
    - उत्तर: लेखक का मानना है कि कालिदास महान इसलिए थे क्योंकि वे अनासक्त थे। वे सुख-दुख में स्थिर रहकर ही शकुंतला जैसा कालजयी सौंदर्य रच सके। बिना अनासक्ति के श्रेष्ठ साहित्य संभव नहीं है।
7. **गांधी जी और शिरीष के बीच क्या समानता बताई गई है?**
    - उत्तर: जैसे शिरीष वायुमंडल से रस खींचकर भयंकर गर्मी में भी कोमल और कठोर बना रहता है, वैसे ही गांधी जी ने आत्मबल के सहारे देश के कठिन समय में खुद को स्थिर, कोमल और दृढ़ रखा।
8. **शिरीष के फूल की कोमलता और फल की कठोरता का क्या अर्थ है?**

- उत्तर: फूल की कोमलता हृदय की संवेदनशीलता को दर्शाती है, जबकि फल की कठोरता बाहरी व्यवहार की दृढ़ता को। जीवन के संतुलन के लिए ये दोनों ही गुण आवश्यक हैं।

9. **विज्जिका देवी का उपालंभ (उलाहना) क्या था?**
    - उत्तर: विज्जिका देवी ने कहा था कि यदि ब्रह्मा, वाल्मीकि और व्यास के अलावा कोई और खुद को कवि कहता है, तो वे उनके सिर पर अपना बायाँ पैर रखती हैं। लेखक इसे कवियों के लिए एक चुनौती मानते हैं।
10. **निबंध का शिल्प (Structure) 'इक्षुदंड' (गन्ने) की तरह कैसे है?**
    - उत्तर: गन्ने की तरह यह निबंध बाहर से संस्कृत निष्ठ शब्दावली के कारण कठिन लग सकता है, लेकिन इसके भीतर मानवतावाद और सरसता का मधुर रस भरा हुआ है, जो पाठक को गहराई तक प्रभावित करता है।

**4. पाँच से छह पंक्ति वाले प्रश्न (Long Answer)**

1. **'शिरीष के फूल' निबंध के माध्यम से हजारी प्रसाद द्विवेदी ने क्या संदेश दिया है?**
    - उत्तर: इस निबंध के माध्यम से द्विवेदी जी ने मनुष्य को संघर्षों के बीच धैर्य बनाए रखने और 'अजेय जिजीविषा' (जीने की इच्छा) का संदेश दिया है। शिरीष का फूल लू और गर्मी में भी खिलता है, जो यह सिखाता है कि कठिन समय में भी हताश नहीं होना चाहिए। साथ ही, लेखक पुरानी पीढ़ी को समय रहते स्थान छोड़ने की सलाह देते हैं और नई पीढ़ी के स्वागत का साहस दिखाने को कहते हैं। अंत में, वे आत्मबल को शारीरिक बल से श्रेष्ठ बताते हुए गांधीवादी मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देते हैं।
2. **शिरीष को 'अद्भुत अवधूत' मानकर लेखक ने जीवन के किन मूल्यों को स्थापित किया है?**
    - उत्तर: लेखक के अनुसार शिरीष एक ऐसा सन्यासी है जो न ऊधो का लेना, न माधो का देना (किसी से कोई मतलब न रखना) के भाव में जीता है। वह मौज में आठों याम मस्त रहता है। यह गुण मनुष्य को सिखाता है कि सफलता-विफलता और सुख-दुख में स्थिर प्रज्ञ रहना ही जीवन का वास्तविक सत्य है। लेखक शिरीष के माध्यम से अनासक्ति, त्याग, और निरंतर

गतिशीलता को महान मानवीय मूल्यों के रूप में स्थापित करते हैं, जो आज के शोर-शराबे वाले युग में बहुत आवश्यक हैं।

3. **पुरानी और नई पीढ़ी के द्वंद्व को शिरीष के उदाहरण से कैसे स्पष्ट किया गया है?**
    - उत्तर: लेखक कहते हैं कि शिरीष के पुराने फल इतने मजबूत होते हैं कि वे नए फूलों के आने पर भी जगह नहीं छोड़ते और खड़खड़ाते रहते हैं। यह दृश्य उन नेताओं और बुजुर्गों का प्रतीक है जो अपनी सत्ता और अधिकारों को नहीं छोड़ना चाहते। लेखक चेतावनी देते हैं कि 'जरा' (बुढ़ापा) और 'मृत्यु' अटल सत्य हैं। यदि पुरानी पीढ़ी समय के रुख को पहचानकर नई पीढ़ी को सम्मानपूर्वक स्थान नहीं देती, तो समय खुद उन्हें धकियाकर बाहर कर देता है। यही प्रकृति का न्यायपूर्ण नियम है।
4. **कालिदास के साहित्य और शिरीष के संबंधों पर प्रकाश डालिए।**
    - उत्तर: कालिदास को शिरीष से विशेष लगाव था। उन्होंने इसके फूल की कोमलता का अद्भुत वर्णन किया है। लेखक का मानना है कि कालिदास खुद शिरीष की तरह एक अनासक्त योगी थे, तभी वे 'मेघदूत' जैसा काव्य रच सके। राजा दुष्यंत द्वारा बनाई गई शकुंतला की तस्वीर तब तक अधूरी थी, जब तक उन्होंने उसके कानों में शिरीष का फूल नहीं पहनाया। कालिदास की रचनाओं में जो रस और गहराई है, वह शिरीष की फक्कड़ मस्ती से प्रेरित लगती है।
5. **"हाय, वह अवधूत आज कहाँ है!"– इस पंक्ति के माध्यम से लेखक ने किस संकट की ओर इशारा किया है?**
    - उत्तर: निबंध के अंत में लेखक महात्मा गांधी को याद करते हैं। गांधी जी भी शिरीष की तरह ही एक अवधूत थे जिन्होंने हिंसा, लूटपाट और नफरत के बवंडर के बीच भी शांति और प्रेम का दामन नहीं छोड़ा। वे आत्मबल के प्रतीक थे। लेखक आज के युग में आत्मबल के अभाव और बढ़ते 'देह-बल' (शारीरिक शक्ति/अहंकार) के वर्चस्व को वर्तमान सभ्यता का सबसे बड़ा संकट मानते हैं। उन्हें दुख है कि आज गांधी जैसे निस्वार्थ और दृढ़ महापुरुष समाज में दिखाई नहीं देते।
6. **लेखक के अनुसार 'सच्चा कवि' (सत्कवि) कौन है? विस्तार से समझाएं।**

- उत्तर: लेखक के अनुसार, सच्चा कवि वही है जो शिरीष की तरह अनासक्त हो। जिसके पास योगी की स्थिर-प्रज्ञता (स्थिर बुद्धि) और एक विदग्ध प्रेमी का कोमल हृदय, दोनों एक साथ हों। जो सांसारिक वैभव में रहकर भी उससे निर्लिप्त रह सके। जो कवि केवल हिसाब-किताब लगाने में उलझ गया, वह महान साहित्य नहीं रच सकता। कालिदास, सुमित्रानंदन पंत और रविंद्रनाथ टैगोर जैसे कवि इसी श्रेणी में आते हैं क्योंकि वे सुंदरता के बाहरी आवरण को भेदकर उसके भीतर के सत्य तक पहुँच सकते थे।

7. **शिरीष वायुमंडल से अपना रस कैसे खींचता है और इसका दार्शनिक महत्व क्या है?**
   - उत्तर: एक वनस्पतिशास्त्री के अनुसार शिरीष वायुमंडल से अपना पोषण लेता है। इसका दार्शनिक अर्थ यह है कि मनुष्य को भी अपनी ऊर्जा और शांति के लिए बाहरी साधनों या अनुकूल परिस्थितियों पर निर्भर नहीं होना चाहिए। उसे अपने भीतर की शक्ति (आत्मबल) को इतना मजबूत करना चाहिए कि वह विपरीत समय में भी रसपूर्ण और जीवित बना रहे। शिरीष का यह गुण हमें आत्मनिर्भरता और आंतरिक शक्ति को पहचानने का संदेश देता है।

8. **हजारी प्रसाद द्विवेदी की 'मानवतावादी दृष्टि' इस निबंध में कैसे प्रकट होती है?**
   - उत्तर: द्विवेदी जी साहित्य को केवल 'वाग्जाल' नहीं मानते, बल्कि उसे मनुष्य को दुर्गति और हीनता से बचाने का माध्यम मानते हैं। इस निबंध में वे प्रकृति के बहाने मनुष्य की पीड़ा, उसके संघर्ष और उसके भविष्य की चिंता करते हैं। वे जात-पाँत, मज़हब और वर्ग-भेद से ऊपर उठकर 'विराट मानवतावाद' की बात करते हैं। शिरीष के माध्यम से वे समाज को धैर्य, प्रेम और सह-अस्तित्व की सीख देते हैं, जो उनकी गहरी मानवतावादी सोच का प्रमाण है।

9. **'जो फरा सो झरा'—इस सत्य को जानकर भी मनुष्य क्यों नहीं संभलता? लेखक के क्या विचार हैं?**
   - उत्तर: लेखक कहते हैं कि बुढ़ापा और मृत्यु सबसे प्रामाणिक सत्य हैं, फिर भी मूर्ख समझते हैं कि जहाँ वे आज हैं, वहीं हमेशा बने रहेंगे और कालदेवता की आँख बचा लेंगे। वे जड़ हो जाते हैं और बदलाव को स्वीकार नहीं करते। लेखक का मानना है कि जो समय के साथ नहीं चलता, जो स्थान नहीं बदलता और जो 'आगे' की ओर नहीं देखता, उसका अंत अत्यंत कष्टकारी होता

है। शिरीष हमें सिखाता है कि झड़ना निश्चित है, इसलिए जब तक रहो, महकते रहो।

10. **निबंध में चर्चित 'इक्षुदंड' (गन्ने) का उदाहरण देकर लेखक ने क्या स्पष्ट किया है?**

- उत्तर: लेखक ने इक्षुदंड का उदाहरण कालिदास की कला को समझाने के लिए दिया है। जैसे एक चतुर किसान गन्ने को निचोड़कर उसका सारा रस निकाल लेता है, वैसे ही एक अनासक्त कलाकार संसार के सुख-दुख के अनुभवों को निचोड़कर उससे काव्य का मधुर रस प्राप्त कर लेता है। यह प्रक्रिया केवल वही कर सकता है जो अनुभवों में डूबे तो सही, पर उनमें फँसे नहीं। यह उदाहरण साहित्य-सृजन की गहराई और कलाकार के कौशल को बड़ी सरलता से स्पष्ट करता है।